कभी श्याम बनके
कभी राम बनके

# कभी राम बनके कभी श्याम बनके

संग्रहकर्ता :
रूपकिशोर

प्रकाशक :
**लक्ष्मी प्रकाशन**
4734, बल्लीमारान, दिल्ली-6 ☎ 23917707

मूल्य : बारह रुपए

## कभी राम बनके कभी श्याम बनके

### भजन

मनहारी का भेष बनाया, श्याम चूड़ी बेचने आया।
छलिया का भेष बनाया, श्याम चूड़ी बेचने आया।
झोली कंधे धरो, उसमें 'चूड़ी भरो'।
गलियों में शोर मचाया, श्याम चूड़ी बेचने आया।
छलिया का भेष बनाया, श्याम चूड़ी बेचने आया।
राधा ने सुनी ललिता से कही, मोहन को तुरन्त बुलाया।
श्याम चूड़ी बेचने आया, छलिया का भेष बनाया।
श्याम चूड़ी बेचने आया, चूड़ी लाल नहीं पहनूँ।
चूड़ी हरी नहीं पहनूँ, मुझे श्याम रंग है भाया।
श्याम चूड़ी बेचने आया, छलिया का भेष बनाया,
श्याम चूड़ी बेचने आया।
राधा पहनन नहीं, श्याम पहनाने लगे, राधा ने हाथ बढ़ाया।
श्याम चूड़ी बेचने आया, छलिया का भेष बनाया,
श्याम चूड़ी बेचने आया।
राधा कहने लगी, तुम हो छलिया बड़े, धीरे से हाथ बढ़ाया।
मनहारी का भेष बनाया, श्याम चूड़ी बेचने आया।
छलिया का भेष बनाया, श्याम चूड़ी बेचने आया।

卐 卐

### भजन

कभी राम बनके, कभी श्याम बनके,
चले आना, प्रभुजी चले आना।

तुम राम रूप में आना, सीता साथ लेके,
धनुष हाथ लेके, चले आना, प्रभु जी चले आना।
तुम श्याम रूप में आना, राधा साथ लेके,
मुरली हाथ लेके, चले आना, प्रभु जी चले आना।
कभी राम बनके, कभी श्याम बनके...
तुम शिव के रूप में आना, गौरा साथ लेके,
धनुष हाथ लेके, चले आना, प्रभुजी चले आना।
कभी राम बनके, कभी श्याम बनके,
चले आना, प्रभुजी चले आना।
तुम विष्णु रूप में आना, लक्ष्मी साथ लेके,
चक्र हाथ लेके, चले आना, प्रभुजी चले आना।
कभी राम बनके, कभी श्याम बनके...
तुम गणपति रूप में आना, ऋद्धि साथ लेके,
सिद्धि साथ लेके, चले आना, प्रभु जी चले आना।
कभी राम बनके, कभी श्याम बनके।
चले आना, प्रभुजी चले आना।
कभी राम बनके, कभी श्याम बनके।
चले आना, प्रभु जी चले आना।

卐 卐

## भजन

तूने अजब रचा भगवान, खिलौना माटी का।
माटी का रे, माटी का, तूने अजब रचा भगवान्।
खिलौना माटी का, कान दिए, हरी भजन सुनन को।



तुम मुख से कर गुणगान खिलौना माटी का।
तूने अजब रचा भगवान् खिलौना माटी का।
जीभ दी, हरी भजन करन को।
मीरा के घर पहचान, खिलौना माटी का।
तूने अजब रचा भगवान्, खिलौना माटी का।
शीश दिया गुरु चरण छुवन को, और हाथ दिए कर प्रणाम।
खिलौना माटी का, तूने अजब रचा भगवान् खिलौना माटी का।
सत्य नाम का बनाके बेड़ा, और उतरे भव से प्राण।
खिलौना माटी का, माटी का रे माटी का।
तूने अजब रचा भगवान्, खिलौना माटी का।

卐 卐

## भजन

मुरली वाले ने घेर लई, अकेली पनिया गई।
मैं तो गई थी, यमुना तट पे, कान्हा खड़ा था रि पनघट पे।
बड़ा मुझको रि देर भई, अकेली पनिया गई।
श्याम ने मेरी चुनरी झटकी, सर से मेरे गिर गई मटकी।
बईया मेरी मरोर गई, अकेली पनिया गई।
मुरली वाले ने घेर लई, अकेली पनिया गई।
बड़ा नटखट है, श्याम साँवरिया, घेर डाली मेरी गोरी चुनरिया।
मेरी घाघरिया ओड़ गई, अकेली पनिया गई।
मुरली वाले ने घेर लई, अकेली पनिया गई।
लाख कही पर एक न मानो, भरने न दे वो मोहे पानी।
मारे लाज के मैं मर गई, अकेली पनिया गई।

मुरली वाले ने घेर लई, अकेली पनिया गई।
मुरली वाले ने घेर लई, अकेली पनिया गई।

卐 卐

## भजन

श्यामा आन बसो बृन्दावन में, मेरी उम्र बीत गई गोकुल में।
श्यामा रस्ते में बाग लगा जाना, फूल भी दूँगी तेरी माला के लिए।
तेरी बात निहारूँ कुँजन में, मेरी उम्र बीत गई गोकुल में।
श्यामा आन बसो बृन्दावन में, मेरी उम्र बीत गई गोकुल में।
श्यामा रस्ते में कुँआ खुदवा जाना, मैं तो निर भरूँगी तेरे लिए।
मैं तुझे नहलाऊँगी मल मल के, मेरी उम्र बीत गई गोकुल में।
श्यामा आन बसो बृन्दावन में, मेरी उम्र बीत गई गोकुल में।
श्याम मुरली मधुर सुना जाना, मोहे आकर दरश दिखा जाना।
तेरी सूरत बसी है अखियन में, मेरी उम्र बीत गई गोकुल में।
श्यामा आन बसो बृन्दावन में, मेरी उम्र बीत गई गोकुल में।
श्यामा बृन्दावन में आ जाना, आकर के रास रचा जाना।
सूनी गोकुल की गलियन में, मेरी उम्र बीत गई गोकुल में।
श्यामा आन बसो बृन्दावन में, मेरी उम्र बीत गई गोकुल में।
श्यामा माखन चुराने आ जाना, आकर के दही बिखरा जाना।
बस आप रहो मेरे मन में, मेरी उम्र बीत गई गोकुल में।
श्यामा आन बसो बृन्दावन में, मेरी उम्र बीत गई गोकुल में।

卐 卐



## भजन

भटकता डोले काहे प्राणी, चला आ प्रभु के तू शरण में।
सँवर जाएगी ये जिन्दगी, भटकता डोले काहे प्राणी।
भटकता है क्यों मोह माया में, रि काया तेरी आनी जानी।
भटकता डोले काहे प्राणी, भटकता डोले काहे प्राणी।
भटकता डोले काहे प्राणी, भटकना तेरा भक्ति पद से।
तुझे प्रभु कृपा की है धनी, भटकता डोले काहे प्राणी।
भटकता डोले काहे प्राणी, भटकता डोले काहे प्राणी।
भटकने वाले दुःख पाते हैं, अगर बदले मन में न डाले।
भटकता डोले काहे प्राण, भटकता डोले काहे प्राणी।
भटकता डोले काहे प्राणी, करो नित सुमिरन राम कारे।
रहे तेरे जीवन में खुशहाली, भटकता डोले काहे प्राणी।
भटकता डोले काहे प्राणी, भटकता डोले काहे प्राणी।
भटकता डोले काहे प्राणी, चला आ शिव की तू शरण में।
सँवर जाएगी ये जिन्दगी, भटकता डोले काहे प्राणी।
भटकता डोले काहे प्राणी, भटकता डोले काहे प्राणी।

卐 卐

## कभी जटाधारी बनके कभी त्रिपुरारी बनके

## भजन

शिव अद्‌भुत रूप बनाए, जब ब्याह रचाने आए,
भूत बैताल थे, संग में चंडाल थे।
कैसी बारात शिव सजाए, जब ब्याह रचाने आए,

लंगडे-लूले थे, अन्धे-काणे भी थे,
शुक्र-शनिचर को संग लाए, शिव अद्‌भुत...
आए सब देवता, पाए जब न्यौता,
देवियों को भी संग में लाए, जब ब्याह रचाने आए
लोग डरने लगे और यह कहने लगे,
रूप कैसा गजब बनाए, जब ब्याह... शिव अद्‌भुत
बोलो सत्यम्, शिवम् है वही सुन्दरम्,
गौरा के मन को भाए शिव अद्‌भुत...

卐 卐

## भजन

जटाधारी बनके त्रिपुरारी बनके चले आना,
भोले जी चले आना, चले आना...
तुम औघड़ रूप में आना, भूत साथ लेकर,
मुण्ड हाथ लेकर, जटाधारी बनके...
तुम भंगिया रूप में आना, झोला हाथ लेकर,
भंग साथ लेकर, चले आना, भोले जी जटाधारी...
तुम जोगिया रूप में आना, डमरू हाथ लेकर,
नन्दी साथ लेकर, चले आना, भोले जी जटाधारी...
तुम मोहिनी रूप में आना, गंगा साथ लेकर,
चन्दा साथ लेकर, चले आना, भोले जी जटाधारी...
तुम भोले रूप में आना, गौरा साथ लेकर,
त्रिशूल हाथ लेकर, चले आना, भोले जी जटाधारी...

卐 卐



## भजन

हे भोले नाथ दया करके, अब मुझे बसा लो चरणन में,
फल-फूल की थाली लाई हूँ, चरणों में तुम्हारे आई हूँ।
तुम्हें अपने बसा कर नैन में, अब मुझे बसा लो चरणन में,
बेल पात की थाली लाई हूँ, दर्शन को तुम्हारे आई हूँ।
तुम्हे देख लूँ मन के दर्पण में, अब मुझे बसा लो चरणन में,
मैं भांग धतूरा लाई हूँ, मैं दर-दर की ठुकराई हूँ।
मुझे दे दो शरण बस चरणन में,
अब मुझे बसा लो चरणन में, हे भोले...
तेरे नाम का सुमिरन करती हूँ, यही रो रो कर बस कहती हूँ,
तेरे दर्शन की प्यास है अखियन में,
अब मुझे बसा लो चरणन में, हे भोले...
तेरा प्रेम हमारी पूजा है, कोई और ना मन में दूजा है,
तू छिपे है मन की बगियन में, अब मुझे बसा लो चरण में

卐 卐

## भजन

भोले बाबा के द्वार गई, जो माँगी सब पा गई,
मैं तो गई थी शिव दर्शन को, बम भोले शिव के पूजन को,
मुझपे उनकी दया हो गई, जो माँगी सब पा गई...
विनती करूँ भोला भण्डारी, आई शरण में आज तुम्हारी,
मैं तो जीवन से घबरा गई, जो माँगी सब पा गई...
सब देवों में देव निराले, पहने रहते हैं मृग की छाले,

मेरे दुख की घड़ी टल गई, जो माँगी सब पा गई···
भोले बाबा के द्वार···
भीड़ लगी है तुम्हारे द्वारे, लोग खड़े है हाथ पसारे,
एक क्षण भी ना देर भई, जो माँग सब पा गई···
भोले बाबा के द्वार···

卐 卐

*भजन*

आई मैं तेरे द्वारे भोले दानी, बड़ी है संकट जिन्दगानी,
जटा से तेरे निकली गंगा मैय्या,
जो सब नदियों में है महारानी
आई मैं तेरे···
माथे पे तेरे चन्दा चमचम चमके,
हाथों में डमरू की है निशानी
आई मैं तेरे···
सुना है भक्तों की सुनते हो तुम,
दया हो मुझ पर औघड दानी
आई मैं तेरे···
खड़ी हूँ तेरे द्वार हाथ जोड़े,
दर्श मुझे दे दो शम्भू सानी
आई मैं तेरे···

卐 卐



## एक ग्वाले का दिल चुरा के ले गई

*तर्ज : सोणा, सोणा दिल तेरा सोणा, फिल्म : मेजर साब*

एक ग्वालन एक ग्वाले का दिल चुरा के ले गई
हाय राधा प्यारी बरसाने वाली-2
नींद उड़ा के चैन चुरा के ले गई राधा प्यारी···
एक ग्वालन एक ग्वाले···
है ये बड़ा मस्ताना छलिया है ये दीवाना
सारे जग से है बेगाना करता है ये बहाना
मारा है मुझे ताना कान्हा
अरे यमुना तट पर रास रचाए जब ये बृज का ग्वाला
प्रेम दीवानी गोरी ने मोहन पे डाका डाला
है ये मतवाला ये कृष्ण है मुरली वाला ये कृष्णा
ने नन्द लाला ये कृष्णा ये बृज का लाला ये कृष्णा
टूटे दिल का हाल वो अपना कह गई राधा प्यारी···
एक ग्वालन एक ग्वाले···
है ये बड़ा मस्ताना छलिया है ये दीवाना
सारे जग से है बेगाना
करता है ये बहाना, मारे मुझे ताना कान्हा
जब-2 श्याम की बंसी बाजे गोकुल वृन्दावन में
बरसे रंग अपार यहाँ पावन घर-2 आंगन में
बड़ा रंग रंगीला है कृष्णा बड़ा छैल छबीला है कृष्णा
गोविन्द मुरारी है कृष्णा गोवर्धन धारी है कृष्णा
प्रेम दीवानी मधुर धुनों में खो गई,

हाय राधा प्यारी बरसाने वाली
एक है ग्वालन...

## राधे-राधे श्याम मिला दे

*तर्ज : सोना-सोना, फिल्म : मेजर साँब*

भक्तों के ओ प्रतिपाल बांके बिहारी हैं
सन्तों के हो रखवाल बांके बिहारी हैं-2
तेरे प्रेम में अब तो दीवानी रे
तेरी मीरा ना तेरी राधा रानी है
दर्श दिखा दे अब तो मोहन प्यारे तू
कष्ट मिटा दे मेरे नन्द दुलारे तू
राधे-राधे श्याम मिला दे
अपने दिल में प्रेम जगा के बोलो तुम
राधे-राधे श्याम मिला दे
बांके बिहारी से प्रेम का नाता जोड़ो तुम हो राधे-2
बन जा तू अपने मोहन का दीवाना
उनसे ना तू शरमाना
अरे हाले दिल दिखलाना तू वृन्दावन को जाना
कर देंगे कृपा तुझपे भी वो बरसाने वाली
सारे जग से है वो बढ़कर उनकी शान निराली-2
बोलो मिलके मीरा जी बोलो राधे-2 मीरा जी
अपने दिल में...
गिरधर की देखो ये छवि कैसी मुख मंडल की



विकारार रचाएँ कैसी अनुपम है रूप सुहानी
भक्तों की आंखों के प्यारे कृष्ण बांसुरी वाले-2
नैनों की तू प्यास बुझा दे आए शरण तिहारे-2
डाल-2 मीरा है पात-2 ये मीरा जी
भक्तों के दिल में मीरा जी
सन्तों के मन में मीरा जी अपने दिल में...
राधे-2 श्याम मिला दे

## जपले तू राधे-2

*तर्ज : अँखियों से गोली मारे, फिल्म : दुल्हे राजा*

जपले तू राधे-2 कर देगी वो पार रे
रहती है वो तो बरसाने में उनका कर ध्यान रे-2
जपले तू कान्हा-2 कर देंगे वो पार रे
रहते हैं वो तो वृन्दावन में उनका कर ध्यान रे-2
तू भी अपने मन में निशदिन राधा नाम बसा ले रे
कितनी प्यारी राधा रानी चरणों में प्रीत लगा ले रे-2
जिसने भी उनका नाम लिया उसको ही दिया सहारा है
पल में तेरे कष्ट हरेगी वो तो कर देगी निहाल रे
रहती है...
मैंने भी ओ मेरे मोहन तेरा लिया सहारा है
तू ही मेरा, नन्द दुलारा प्राणों से भी प्यारा है-2
बीच भंवर मेरी नैया अटकी दे दे मुझे किनारा रे
तेरे प्यार में मैं भटक रही हूँ मुझको सँभाल रे

रहते...

जपले तू राधे...

## ओ राधा ओ राधा

*तर्ज : ओ जाना ओ जाना, फिल्म : जब प्यार किसी से होता है*

ओ राधा ओ राधा है श्याम तेरा दीवाना-2
वो चीर चुराए वो बंसी बजाए देखो जाने ये सारा जमाना
ओ राधा ओ राधा...

बरसाने गाँव की तू है गोरी विष्भानु की राधे तू है छोरी रे
कान्हा तू मन मोह के चली तेरी छवि राधे लगती भली
कान्हा तेरे प्यार में हो गया है दीवाना
ओ राधा ओ राधा...

अपने भक्तों के तू संकट हरे,भव बाँधाओं से तू दूर करे
वृक्षों पे भी तेरा नाम लिखा अपने भक्तों को तू दर्शन दिखा
चरणों में तेरे मुझे भी है शीश झुकाना
ओ राधा ओ राधा...

## राधे-राधे भजलो रे

*तर्ज : हाय रे हाय रे हाय रब्बा, फिल्म : जीन्स*

राधे-2 भजलो रे राधे-2 जपलो रे
नाम उनका बड़ा सुहाना है ना
जग ये सारा उनका दीवाना है ना-2
राधे-2 जय श्री राधे राधे-2 श्याम मिला दे-2



चरणों में तू ध्यान लगा दे उनका नाम दिल में बसा ले
राधे-2...

कितनी है तू भोली भाली नाम है तेरा बरसाना
मन मोहन की प्राणों की प्यारी अब ना मुझको तरसाना
दर्शन दिखा अब ना सता राधे-2 मन मेरा ये सुबह शाम जपे
ये मेरे मन की है आरजू तू पूरी कर दे आन मेरी राधे रानी
है मन मोहन की जान
तू है सारे भक्तों की आन तू राधे रानी-2
चरणों में झुक जाएंगे दर पे शीश झुकाएंगे
रात और दिन तेरा भजन हम राधे करते जाएंगे, राधे-2...
दूर-2 से दर्शन को आते हैं तेरे धाम पे
जो भी मन से तुझको ध्याये बनते हैं बिगड़े काम रे
क्या है खता ये तो बता राधे राधे मन मेरा अब प्यार से गाए
भक्तों की तू प्राण प्यारी महिमा तेरी सबसे निराली राधे-2
सन्तों के तू मन में बसे दुखियारों के तू कष्ट हरे राधे-2
बरसाने हम जायेंगे दर्श तेरा पायेंगे
जुबां से हम निशदिन नाम तेरा जपते जाएं
राधे-2 भजलो...

भजन

## ना माने यशोदा तेरा लाला

*तर्ज : दीवाने तो दीवाने हैं*

ऐसा है मैया तेरा कृष्ण कन्हैया बीच राह में हाहाकार मचाई
छुप-2 जाए तो देता दिखाई, ना माने यशोदा तेरा लाला रे

ग्वाल बालों के संग हमको पकड़े कुछ भी बोले
हम तो हमपे अकड़े
बात-2 वो करता है झगड़े, ना माने यशोदा...
सब सखियन का वो चैन चुराए पल-2 उसकी याद सताए
मटकी फोड़े और माखन वो खाए, ना माने यशोदा...
विनती करे तो मैया एक ना माने कैसा है कान्हा तेरा तू क्या जाने
आए हैं तुझसे कहने तू माने या ना माने
वो माखन के बहाने मटकी फोड़े और हमको सताए
ना माने यशोदा...
मटकी बेचन को मैया मथुरा को जाए
सब ग्वालो के संग रास रचाए
श्याम सलोना है वो मन मोहना है वो
सबकी आंखों का तारा प्राणों से वो है प्यारा
पूरे बृज का है वो राज दुलारा, ना माने यशोदा...

## ओढ़ली चुनरिया राधे नाम की

*तर्ज : ओढ़ली चुनरिया, फिल्म : प्यार किया तो डरना किया*

तुझको अपना मान लिया है मैंने दिल में ठान लिया है
ओ मेरे गिरिराज, ओढ़ली चुनरिया राधे नाम की-2
दुनिया चाहे कुछ भी बोले मुझको करना क्या
परिक्रमा देनी तो डरना क्या-2
ओढ़ली चुनरिया...
मन में मुरादे लाते हैं दर्शन तेरा पाने को



दूर-2 से आते हैं परिक्रमा लगाने को
ओ मेरे सांवरे आया हूँ दर पे तेरे
दूर कर दे रे तू कष्ट अब ये मेरे
सब देवों ने मान लिया था सबने तेरा नाम लिया था
ओ मेरे गिरिराज
ओढ़ली चुनरिया...
मानसी गंगा न्हाते महिमा तेरी गाते हैं
दिल में तुझे बसाते हैं हर पल तुमको ध्याते हैं
मन में तू है रमा धड़कनों में बसा
प्रेम से तू भी भरा भक्तों के दिल में बसा
जीवन अपना सौंप दिया है चरण में तेरी ध्यान दिया
ओ मेरे गिरिराज
ओढ़ली चुनरिया...

## मेरे मन मोहन दर्शन दे दे तू

*तर्ज : आती है तो चल, फिल्म : सात रंग के सपने*

ओ मेरे मोहन दर्शन दे दे तू सुना कन्हाई-2
गिरधर मेरे घनश्याम शरण में ले ले तू सुनो कन्हाई
ओ बांके बिहारी सुन दर्शन दे दे तू सुनो...
नटखट नन्द लाल बिगड़ी बना दे तू...
दीवाने तेरे नाम के तेरे दर पे आए हैं
दुनिया भर के सारे गम वो मन में छुपाएँ हैं-2
ओ मेरे मन मोहन...

जिसने तेरा नाम लिया भक्ति और भाव से
उसको तूने सहारा दिया बड़े चाव से
सो हम भी अपने मन में श्रद्धा के फूल लाए हैं
छवि तेरी प्यारी है जो दिल में बसाएँ हैं
दीवाना मैं हूँ तेरा सहारा तू है मेरा
तूने लाखों है तारे संकट से हैं उबारे
ओ मेरे मन मोहन...

दुनिया ने मेरे गिरधर मुझको बड़ा सताया है
तेरे चरणों में मैंने अपना ध्यान लगाया है
सबको मैं भूल बैठा तेरी हर याद में
जीवन को सौंप दिया तेरे विश्वास में
आँखों से नीर बहाऊँ तुझे मैं दिल में छुपाऊँ
निस दिन मैं ध्यान लगाऊँ तुझपे बलिहारी जाऊँ
ओ मेरे मन मोहन...

## राधे राधे राधे राधे राधे राधे गा

*तर्ज : तारा तारा रा, फिल्म : घरवाली बाहरवाली*

राधे-2-2-2 गा-2 राधा रानीजी के ही गुण तू गा-2
हो किशभानु दुलारी राधा रानी कृष्ण की प्यारी है राधानी
राधे-2-2-2 गा राधा रानी के ही गुण तू गा
राधा हमारी बृज की महारानी है
महिमा उनकी जाए ना बखानी है
अदिती बहुत बरसाने वाली है कोटि चन्द्र सम्मुख उजियारी है



करती है भक्तों का सदा ही भला
राधे-2-2-2 गा राधे रानी के ही गुण...
करना दीवाने हे राधा के ऐसे, चन्दा को चाहे चकोर जैसे
राधा ही राधा सब जग गावे दर्शन करके सब सुख पावे
अपने संग बिहारी से तू हमको भी मिला
राधे-2-2-2 गा राधे रानी के ही गुण...

## नजरिया से डोरे डाले

*तर्ज : अँखियों से गोली मारे, फिल्म: दूल्हे राजा*

अपने दीवानों का अपने मतवालों का ये नन्द रे
कि नजरिया से डोरे डाले कर दे बेहाल रे नजरिया...
अपने...

चोरी-2 चुपके-2 बंसी मधुर बजाए रे
ग्वाल बाल सब संग सखा का जिया बहुत तड़पाए रे-2
जिसको चाहे पागल करे अपने रूप के जादू से
वो तो है गिरधर गोपाला यशोदा का लाल रे
नजरिया से...

नटखट कृष्ण कन्हैया ये मन मोहन श्याम बिहारी है
होश उड़ा के चैन चुराले ऐसा है बनवारी रे
जय-जयकार से गूँजे धरती अम्बर ये कण-2 कृष्णा
वो तो छैल छबीला रंग रंगीला करता कमाल रे-2
नजरिया...

## एक तरफ राधा प्यारी

*तर्ज : एक तरफ है घरवाली, फिल्म : घरवाली बाहरवाली*

एक तरफ-2 एक तरफ राधा प्यारी
एक तरफ सखियाँ सारी-2
एक कहे तू काला एक कहे नन्दलाला
गोपाला प्यारे गोपाला...
बरसाने की राधा बन बैठी ग्वालन
श्याम बजाए बंसी राधा बजाए ताली
वो उसको प्यारा वो उसकी प्यारी...
मोहन के लिए राधाजी बन बैठी ग्वालन
एक तरफ...
ये है राधा रानी वो है सखियाँ सारी
दोनों की सांसों में काना की जलती डोरी
मेरा गोपाला ये मेरा गिरधर...
वो घट-2 में रहने वाला वो है अन्तर्यामी
एक तरफ-2...

## राधे मान ले दिल की बात

*तर्ज : सैंय्या मान ले दिल की बात, फिल्म : सलाखें*

राधे मान ले सब की बात काहे श्याम-2 तू बोले
गर तू श्याम-2 यू बोले उसको पाले होले-2
श्याम की बंसी बजे दिन रात वो तो राधा-2 बोले-2
गिरधारी ने राधा जी पर ऐसा जादू डाला



राधा जी ने कृष्ण प्रेम में मन अपना रंग डाला
मीरा ने भी होके दीवानी पी लिया विष का प्याला
उस प्याले को मोहन ने भी अमृत कर डाला
राधे मान ले...
गरीब सुदामा मिलने पहुँचे कृष्ण ने गले लगाया-2
दुख दरिद्र दूर किए सब उसका महल बनाया
कृष्णा ने भी अपने मित्र का सारा कर्ज चुकाया
अपने मित्र को दो लोकों का पल में राजा बनाया
सारे पकड़े इसका हाथ इसके देखे खेल निराले
राधे मान ले...

## मैंयो तेरो कान्हा

*तर्ज : आ जाने जाना, फिल्म : प्यार किया तो डरना क्या*

मैंयो तेरो कान्हा, मारे है हमको ताना
माखन की फोड़े मटकी करता है ये बहाना
मैंयो तेरो कान्हा...
है प्रेम रसिक तेरो कान्हा दीवाना इसे पहचाने है सारा जमाना-2
मतवाला है ये बंसी वाला ये है बड़ा मनचला
इसका काम दिल चुराना, माखन...
चले चाल ऐसी बड़ी मस्तानी
ये छलिया बड़ो ही करे मनमानी-2
दिल लुभाता है ये चैन चुराता है
ये है बड़ा लाडला, इसकी बातों में ना आना
मैंयो तेरा कान्हा...

## मुरली तू बजाले श्यामा

*तर्ज : मि. लोवा-2, फिल्म : इश्क*

मुरली तू बजाले श्यामा आएँ हैं भक्त द्वार पे
दिल में तू बसा ले श्यामा आएँ हैं सन्त द्वार पे
आने में ना देर करे भक्तों से रहे ना परे
रहे चरणों से तेरी लगे खाली झोली यहाँ से भरे
मुरली तू बजा ले...

मेरे कन्हैया तेरा कैसा है जादू-2
लगता है श्यामा तेरी बंसी का जादू-2
मुझको लगता कान्हा तू है यहीं कहीं
तू है मेरे पास कन्हैया ये तेरे नजदीक कहीं-2
चरणों में अपने रहने दे रहने दे कान्हा रहने दे-2
साहिल कहे कान्हा दोनों का

कान्हा को राधा ने अपना माना है
मीरा ने भी श्याम को अपना जाना है
दोनों उसको प्यार करें प्यार करें इजहार करें-2
श्याम कहे कान्हा है दोनों का, मुरली तू बजाले...

~~

## गोपियों के संग रास रचाए

*तर्ज : तुम पर हम हैं अटके यारा, फिल्म : प्यार किया तो डरना क्या*

गोपियों के संग रास रचाए राधा जी से हटके
राधा जी को खटके-2
अरे यमुना तट पर कपड़े चुराए चोरी-चोरी चुपके



राधा जी को खटके..., गोपियों के संग...
नन्द लाला ये गोपाला ये सारे जग से है ये हटके
नटखट रे गिरधर है ये दहिया के फोड़े मटके
अरे इससे जो उलझेगा वो तो खुद ही उल्टा लटके
राधा जी को खटके...

बेगाना है मस्ताना है खेले आँख मिचोनी डटके
जो ठान ले वो अपने मन में कोई रोक ना पाए हट से
अरे इनकी शरण में वो आए जो राह से खुद ही भटके
राधा जी को खटके..., लला को तोरे नजर ना लागे
लला की सूरत सलोनी नजर ना लागे-2
प्यारे-2 न्यारे-2 भोले-भाले लला को नजर ना लागे रे
मोहन का रूप अति सुन्दर नजर ना लागे
प्रसन्न हुआ है मन अन्तर नजर ना लागे-2
प्यारे-2 न्यारे-2 भोले-भाले लला को नजर ना लागे

~~

## स्वागतम् कृष्णा

*गीत, संगीत व गायक : आचार्य मृदुल कृष्णशास्त्री*

स्वागतम् कृष्णा शरणागतम् कृष्णा-3
स्वागतम् सुस्वागतम् शरणागतम् कृष्णा
कृष्णा कृष्णा कृष्णा कृष्णा
स्वागतम् कृष्णा शरणागतम् कृष्णा
अभी आता ही होगा सलोना मेरा
हम राह उसी की तका करते हैं

कविता सविता नहीं जानते हैं
मन में जो आया वो करते हैं
पड़ते उसके पद पंकज में
चलते-चलते जो थका करते हैं
उसका रस रूप पिया करते हैं
उसकी छवि छाक छका करते हैं
स्वागतम् कृष्णा शरणागतम् कृष्णा

~~

## मत फोड़ रे गगरिया

*तर्ज : डोन्ट टच माई घघरिया, फिल्म : हिटलर*

मत फोड़ रे गगरिया रंग रसिया
तेरी मर्जी है क्या मेरे मन बसिया
मत फोड़ रे गगरिया...
काहे रोके तू खड़ी है मेरी डगरिया-2
अब जाए कहाँ तेरा ये मन बसिया-2
हम ग्वाल बालो की जाने दे टोलियाँ
बहका ना हमको ना बोल मीठी बोलियाँ
हम ना तेरे आगे फैलाते झोलियाँ
कर ना बहाने ना बोल मीठी बोलियाँ
हाय करता है मुझे क्यूँ तंग रसिया-2
मत फोड़ रे गगरिया...
यमुना के तट पर तू आ जाना गोरी
खेलेंगे मिलके हम आँख मिचौली



लाज शर्म तूने काहे ना छोड़ी
काहे को तूने मटकी मेरी फोड़ी
अब हट ना तू कर मेरे संग रसिया
मत फोड़ रे गगरिया रंग रसिया...

~~

## सबसे ऊँची प्रेम सगाई

सबसे ऊँची प्रेम सगाई-2, दुर्योधन की मेवा त्यागी
साग विदुर-घर खाई सबसे ऊँची प्रेम सगाई
झूठे फल शबरी के खाए प्रेम विवश रघुराई
सबसे ऊँची प्रेम सगाई
प्रेम के बस अर्जुन रथ हांको
भूल गए ठकुराई सबसे ऊँची प्रेम सगाई-2
ऐसी प्रीत बढ़ी वृन्दावन-2
गोपियन नाँच नचाई सबसे ऊँची प्रेम सगाई
सूर्य क्रूर इस लायक नाही-2
केहि लगकर बढ़ाई सबसे ऊँची प्रेम सगाई

~~

## राधे गोविन्द भजो

राधे गोविन्द भजो राधे गोविन्दा-2
राधे गोविन्द भजो वृन्दावन चन्दा
राधे गोविन्द भजो राधे गोविन्दा-2
राधे-2 राधे-2 राधे-2 गोविन्द

~~

## मीठे रस से भरो री राधे रानी

मीठे रस से भरो री राधे रानी लागे महारानी लागे
मैंने खारो-2 यमुना जी को पानी लागे-2
यमुना जी तो काली-2 राधे गोरी-2
वृन्दावन में धूम मचावे बरसाने की छोरी
बृजधाम राधा जी की रजधानी लागे
मैंने खारो-2-2, मीठे रस से भरी...
कान्हा नित मुरली में तेरे सुमरे बारो बार
कोटिन रूप धरे मन मोहन कोई ना पावे पार
रूप रंग की छबीली पटरानी लागे
मैंने खारो-2 यमुना...
ना भावे मुझे माखन मिश्री ना भावे कोई मिठाई
म्यारी जी बड़ियाने भावे राधा नाम मलाई
वृषभान की लली तो गुणधानी लागे-2
मैंने खारो-2..., मीठे रस से भरो...

~~

## सुन बरसाने वाली

सुन बरसाने वाली गुलाम तेरो बनवारी-2
तेरी पायलिया पे बाजे मुरलिया-2
छम-2 नाचे गिरधारी
गुलाम तेरो बनवारी सुन बरसाने...
चन्द्र से आनन पे बड़ी-2 अखियां-2
लट-लटके घुंघरारी गुलाम तेरो बनवारी



सुन बरसाने वाली...
बड़ी-2 अखियन में झीनो-2 कजरा-2
घायल कुंज बिहारी गुलाम तेरो बनवारी
सुन बरसाने वाली...
वृन्दावन के राजा होकर-2
छम छम नाचे मुरारी गुलाम तेरो बनवारी
सुन बरसाने वाली गुलाम तेरो बनवारी-2
वृन्दावन की कुंज गलियन में-2
रास रचो गिरधारी गुलाम तेरो बनवारी-2
कदम की डाल पे झूला परो है-2
झोटा देवें बिहारी गुलाम तेरो बनवारी

~~

## कृष्ण जिनका नाम है

कृष्ण जिनका नाम है गोकुल जिनका धाम है
ऐसे श्री भगवान को बारम्बार प्रणाम है-2
यशोदा जिनकी मैया हैं नन्द जू बबैया हैं-2
ऐसे श्री गोपाल को बारम्बार प्रणाम है-2
लूट-लूट दधि माखन खावे ग्वालो संग धेनू चरावें-2
ऐसे लीला धाम को बारम्बार प्रणाम है
कृष्ण जिनका...
दुपद्र सुता की लाज बचायो, ग्राह से गज को फंद छुड़ायो-2
ऐसे कृष्ण धाम को बारम्बार प्रणाम है-2
कृष्ण जिनका नाम है...

~~

## कन्हैया कान्हा रे

कन्हैया कान्हा रे कन्हैया कान्हा रे
आ आ आजा रे आजा रे
एक अर्ज मेरी सुन लो दिलदार ए कन्हैया
कर दो अधम की नैया भवपार ए कन्हैया
अच्छा हूँ या बुरा हूँ पर दास हूँ तुम्हारा-2
जीवन का मेरे तुम पर है भार ए कन्हैया
एक अर्ज मेरी सुन लो दिलदार ए कन्हैया
कन्हैया कान्हा रे कन्हैया कान्हा रे
आ आ आजा रे आजा रे-2-2
तुम हो अधम जनो के उद्धार करने वाले-2
मैं हूँ अधम जनो का सरदार है कन्हैया
करनी पड़ेगी तुमको करुणानिधान करुणा-2
वरना ये नाम होगा बेकार है कन्हैया-2
ख्वाहिश है ये मुझसे गोविन्द दो रत्न लेकर-2
बदले में दे दो अपना कुछ प्यार ए कन्हैया
एक अर्ज मेरी सुन लो दिलदार ए कन्हैया-2

## मुझे श्याम सुन्दर की दुल्हन बना दो

वृन्दावन कमल करंद है
रसिक करत रसपाल दुल्हन प्यारी राधिका
दुल्हा श्याम सुजान
ऐसे वर को क्या करूँ जो जन्मे और मर जाए



पर ये गिरधर लाल को चुन लो अमर हो जाए
आओ मेरी सखी मुझे मेंहदी लगा दो
मेंहदी लगा दो मुझे ऐसी सजा दो
मुझे श्याम सुन्दर की दुल्हन बना दो-2
सतसंग में मेरी बात चलाई
सतगुरु ने मेरी कीनी रे सगाई-2
उनको बुलाके हथलेवा तो करा दो-2
मुझे श्याम सुन्दर की दुल्हन बना दो-2
ऐसी पहनूं चूड़ी जो कभी ना टूटे
ऐसा चुनूं दुल्हा जो कबहू ना छूटे-2
अटल सुहाग की बिंदिया लगा दो-2
मुझे श्याम सुन्दर की दुल्हन बना दो
ऐसी ओढ़ूँ चुनरी जो रंग नाही छूटे
प्रीत का धागा कबहू ना टूटे-2
आज मेरी मोतियों से माँग भरा दो-2
मुझे श्याम सुन्दर की दुल्हन बना दो
भक्ति का सुरमा मैं आँख में लगाऊँगी
दुनिया से नाता तोड़ उन्हीं की हो जाऊँगी-2
सतगुरु को बुलाके फेरे तो डलवा दो
मुझे श्याम सुन्दर...
बाँध के घुँघरु मैं उनको रिझाऊँगी-2
लेके इकतारा मैं श्याम-2 गाऊँगी-2
सतगुरु को बुलाके डोली तो सजा दो

सखियों को बुलाके विदा तो करा दो
मुझे श्याम सुन्दर की दुल्हन बना दो

## तू गोकुल का रखवाला है

तू गोकुल का रखवाला है
कोई क्या जाने नन्द लाला है-2-2
तेरे मोर मुकुट सिर सोहत है
मकराकृत कुण्डल मोहत है
तेरे गल वैजन्ती माला है
कोई क्या जाने नन्द लाला है
तू मीठी बंसी बजाता है
यमुना तट धेनु चराता है
ग्वालन संग खेल रचाता है
कोई क्या जाने नन्द लाला है-2
संसार तुम्हारी माया है
घट-2 में तू ही समाया है
तू ही प्रभु दीन दयाला है-2
कोई क्या जाने नन्द लाला है
जो शरण तुम्हारी आता है
वो अविचल भक्ति पाता है
फिर जन्म मरण मिट जाता है
कोई क्या जाने नन्दलाला है
ये दास तेरा गुण गाता है



चरणों में शीश नवाता है
तू बिगड़ी बनाने वाला है-2
कोई क्या जाने नन्दलाला है

## मोहे तो भरोसा है तिहारो

मोहे तो भरोसा है तिहारो री किशोरी राधे-2
हो जग अधम तुम्ही एक जानत
और ना जान तिहारो री किशोरी राधे
मोहे तो भरोसो है
होती मुक्ति नहीं मांगत केवल
अपनो जान निहारो री किशोरी राधे-2
मोहे तो भरोसो है...
पुनि काह राह अवकाश इति सब को
चार पदारथ खारो री किशोरी राधे
राधे राधे राधे-2 राधे-2
तुम कृपालु सरकार हमारी-2
प्यार करो या मारो री किशोरी राधे-2
मोहे तो भरोसो है...

## तेरे चरण कमल में श्याम

तेरे चरण कमल में श्याम, लिपट जाऊँ रज बनके-2
नित-नित तेरा दर्शन पाऊँ, हरष हरष के हरि गुण गाऊँ
मेरी नस-नस बस जाओ श्याम, तेरे चरण...

छिन-छिन तेरा सुमिरन होवे, हर पल तुझपे अर्पण होवे
हरि सब दिन आठो याम रुके ना मन के मन के
तेरे चरण कमल''
श्याम सुन्दर से लगन लागी, प्रीत पुरानी मन में जागी-2
हरि आ गई तेरे धाम सुनो तुम, भक्तिन में
तेरे चरण कमल''

~~

## जय गोविन्दा गोपाला

जय गोविन्दा गोपाला मुरली मनोहर नन्दलाला
दीन दयाल सुने जब टेक
सब के मन को कछु ऐसी बसी है
तेरा कहाव के जाऊँ कहाँ, अब तेरे ही नाम की भेट कमी है
तेरो ही आसरो एक मनुक, नहीं कोई अब दूजो रसी है
ऐ हो मुरारी पुकारे कहू, या में मेरी हँसी नाही तेरी हँसी है
जय गोविन्दा''
मुरली ध्वनि में कुछ गाता हुआ, मेरे सम्मुख ही इतराता है क्यूँ
हम जानते हैं चतुराई तेरी, हँसके हर बार हँसाता है क्यूँ
फिर नैन कटाक्ष चला करके, बुझी हुई अग्नि जलाता है क्यूँ
अरे निष्ठुर व्यर्थ मत छेड़ हमें, सुलझे मन को उलझाता है क्यूँ
जय गोविन्दा''

~~



## मुझे रास आ गया है

मुझे रास आ गया है तेरे दर पे सर झुकाना
तुझे मिल गई पुजारिन मुझे मिल गया ठिकाना
मुझे कौन जानता था तेरी बन्दगी से पहले
तेरी याद में बना दी मेरी जिन्दगी फसाना
मुझे रास आ गया''
मुझे इसका गम नहीं है कि बदल गया जमाना
मेरी जिन्दगी के मालिक कहीं तुम बदल न जाना
मुझे रास आ गया है''
तेरी सांवरी सी सूरत मेरे मन में बस गई है
ऐसो तेरे सलोने अब और ना सताना
मुझे रास आ गया है''
मेरी आरजू यही है दम निकले तेरे दरपे
अभी सांस चल रही है कहीं तुम चले ना जाना
मुझे रास आ गया है''

~~

## वृंदावन धाम अपार

जय राधे-राधे राधे-राधे
वृन्दावन धाम अपार जपे जा राधे-2
राधा सब वेदन को सार जपे जा राधे-2
जपे जा राधे-2 जपे जा राधे-2
राधा अलबेली सरकार जपे जा राधे-2
जो राधा-2 गावे वो प्रेम पद रस पावे

बस हो जाए बेड़ा पार जपे जा राधे-2
वृन्दावन में राधे-2
यमुना तट पे राधे-2
वृन्दावन धाम अपार जपे जा राधे-2
राधा अलबेली सरकार जपे जा राधे-2
जो राधा नाम ना हो तो रसराज बेचारो रोतो
नहीं हो तो कृष्ण अवतार जपे जा राधे-2
बंसी मधुर बजी रे राधे-2
जय राधे-2 जपे जा राधे-2
ये वृन्दावन की लीला मत जानो गुण कोसीला
या में ऋषि-मुनि गए हार जपे जा राधे-2
दान गली में मान गली में राधे-2
वृन्दावन...
वृन्दावन रास रचायो शिव गोपी रूप बनायो
बंसी बट किया बिहार जपे जा राधे-2
कुंज गली में बांके बिहारी जपे जा राधे-2
ये प्रेम की अकत कहानी, ना समझे ज्ञानी ध्यानी
तोहे जाने ना बृज की नार जपे जा राधे-2
प्राण बल्लभा गिर गोवर्धन राधे-2
वृन्दावन धाम अपार...
तू वृन्दावन में आयो, तूने राधा ध्यान लगावे
तेरे जीवन को धिक्कार, जपे जा राधे-2
नन्दगाँव में बरसाने में जय राधे-2



वृन्दावन...
जय राधे-2 श्याम मिला दे जय राधे-2

## मैंने रटना लगाई रे राधा

मैंने रटना लगाई रे राधा तेरे नाम की-2
राधा तेरे नाम की किशोरी तेरे नाम की-2
मेरी अलकन में राधा मेरी पलकन में राधा-2
मैंने माँग भराई रे राधा तेरे नाम की
मैंने रटना लगाई रे राधा तेरे नाम की
मेरे नैनन में राधा मेरे बैनन में राधा
मैंने नथनी सजाई रे राधा तेरे नाम की
मैंने रटना...
मेरी चुनरी में राधा मेरी गुलरी में राधा
मैंने बेणी गुथाई रे राधा तेरे नाम की
मैंने रटना...
मेरे अंग-2 में राधा मेरे संग-2 में राधा
श्याम बंसी बजाई रे राधा तेरे नाम की
राधा तेरे नाम की किशोरी तेरे नाम की

## राम नाम के हीरे मोती

राम नाम के हीरे मोती मैं बिखराऊँ गली-2
कृष्ण नाम के हीरे मोती मैं बिखराऊँ गली-2
ले लो रे कोई राम का प्यारा शोर मचाऊँ गली-2

ले लो रे कोई कृष्ण का प्यारा शोर मचाऊँ गली-2
बोलो राम बोलो राम···
माया के दीवानो सुनलो एक दिन ऐसा आएगा
धन दौलत और माल खजाना यहीं पड़ा रह जाएगा
बोलो राम···
सुन्दर काया मिट्टी होगी चर्चा होगी गली-2
ले लो रे कोई···, बोलो राम···
क्यों करता तू मेरा मेरी यह तो तेरा मकान नहीं
झूठे जग में फँसा हुआ है पर सच्चा इंसान नहीं
जग का मेला दो दिन का है अंत में होगी चला चली
बोलो राम···
जिन-2 ने यहाँ मोती लूटे वह तो माला माल हुए
धन दौलत के बने पुजारी आखिर वह कंगाल हुए
बोलो राम···
चाँदी सोने वालो सुनलो बात सुनाऊँ खरी-2
ले लो रे कोई···
दुनिया को तू कब तक पगले अपनी कहलाएगा
ईश्वर को तू भूल गया अंत समय पछताएगा
बोलो राम···
दो दिन का यह चमन खिला है फिर मुरझाएँ कली-2
ले लो रे कोई···, राम नाम के···



## बांके बिहारी की बांकी मरोर

बांके बिहारी की बांकी मरोर चित लीना है चोर
बांका मुकुट बांके कुण्डल विशाल
गलहार हीरो का मोतिन की माल-2
बांकी ही पटका तो लटका है चोर
बांके बिहारी···
मुंदडी जडाऊँ जवाहरात की
बांकी लकुटिया सजी हाथ की
बांके पीताम्बर की झलके चिनौर
चित्त लीना है चोर···
सबनो से कोमल है बांके चरन
है श्याम सुन्दर मनोहिर भरन
भक्तों की प्रीत जैसी चंदा चकोर चित्त लीना है
बांकी है झांकी और बांकी अदा
भक्तों के कारज संवारे सदा
मोजे से दीनों की सुनते निहोर चित्त लीना है चोर
बांके बिहारी की···

## श्याम तेरी बंसरी

श्याम तेरी बंसरी बजने लगी-2
सारी-2 रात मैं तो जगने लगी
क्यूँकि श्याम तेरी बंसरी बजने लगी
बंसरी बजाके मेरा मन हर लिया

तेरी बांसुरी ने कैसा जादू किया
यमुना किनारे मैं तो आ गई साँवरिया
क्यूँकि श्याम तेरी बंसरी बजने लगी-2
यमुना किनारे पे श्याम आ गया-2
आँखो में मेरे सरूर छा गया-2
क्यूँकि श्याम तेरी बंसरी बजने लगी
सारी सारी रात मैं तो जगने लगी
दुनिया की रीत मैंने सारी तोड़ दी
तेरे संग श्याम मैंने प्रीत जोड़ दी
तेरे नाम की चुनरिया ओढ़ली
क्यूँकि श्याम तेरी···

## राधे बोल राधे बोल

राधे बोल राधे बोल बरसाने की गलियन डोल
कृष्ण बोल-2 वृन्दावन की गलियन डोल-2
कान्हा के अंग पीताम्बर सोहे
राधा की चुनर अनमोल
बरसाने की गलियन डोल
राधे बोल-2 बरसाने की गलियन डोल
कान्हा के शीश पे मुकुट विराजे
राधा की मुक्ति अनमोल
बरसाने की गलियन डोल···
कान्हा के संग में सखा सुशोभित



राधा सखियन संग खिलौल
बरसाने की···
राधे-2 बोल बरसाने की गलियन डोल
कृष्ण बोल-2 वृन्दावन की गलियन डोल
वृन्दावन की कुंज गलिन में
बोल राधे बोल राधे बोल
बरसाने की गलियन डोल

## राधे झूलन पधारो

राधे झूलन पधारो झुकी आए बदरा-2
साजो सकल सिंगार नैनों सारो कजरा
ऐसो मानन कीजे हठ करी है अड़ी, राधे झूलन···
तू तो परम सियानी हो वृषभान की लली, राधे झूलन···
तेरो रसिक प्रीतम मग जोवत खरो, राधे झूलन पधारो···
राधे दो कर जोड़े तेरे चरण पड़ो-2, राधे झूलन पधारो···

## धारा तो बह रही है श्री राधा नाम की

धारा तो बह रही है श्री राधा नाम की
राधा धारा राधा धारा···
हम हो गए दीवाने श्री राधा नाम के-2
धारा तो बह रही है श्री राधा नाम की
सूझे कुछ और नाहीं वृन्दावन धाम के-2
हम हो गए दीवाने श्री राधा नाम के

धारा तो बह रही है श्री राधा नाम की
हम हो गए दीवाने श्री राधा नाम के
धारा तो बह रही है श्री राधा नाम की
हम हो गए दीवाने श्री राधा नाम के
धारा तो बह रही...

राधा के नाम का ये साया घना घना है
हर क्षण हृदय में रहती राधा की कल्पना है
आते नजर बिहारी संग राधा नाम के
हम हो गए दीवाने श्री राधा नाम के-2
धारा तो बह रही है...

अब भी समय है मूर्ख बुद्धि से काम ले ले
तर जाएगा ये जीवन श्री राधा नाम ले ले
नश्वर है तेरा जीवन बिन राधा नाम के
हम हो गए दीवाने श्री राधा नाम के
धारा तो बह रही है...

इंसान भूल है तो राधा क्षमा दया है
राधा चरण मिले तो सोने की धूल क्या है
ब्रह्मा भी सर झुका दे इस राधा नाम पे
हम हो गए दीवाने श्री राधा नाम के
धारा तो बह रही है...

विश्वास चाहता है तो बोल धारा धारा
तुझको सुनाई देगा खुद आप राधा राधा
धारा..., राधा...



जादू अजब जुड़ा है संग राधा नाम के
हम हो गए दीवाने श्री राधा नाम के-2
धारा तो बह रही है श्री राधा नाम की
हम हो गए दीवाने श्री राधा नाम के
धारा तो बह रही है...

## मैं कैसे होरी खेलूँगी या सावरिया के संग

ऐ मैं कैसे होरी खेलूँगी या सावरिया के संग
कोरे-2 कलश मँगाए केशर घोरो रंग
लाला केशर छोरो रंग-2
और भर पिचकारी मेरे सन्मुख मारी चोली हो गई तंग
मैं कैसे होरी खेलूँगी..., रंग में कैसे...

साड़ी सरस सभी मेरी भीजो भीज गयो सब अंग-2
लाला भीज गया सब अंग
और या बज मारे को कहाँ भिगोऊ कारी कमर अंग
मैं कैसे होरी खेलूँगी...

तबला बाजे सारंगी बाजे और बाजे मृदंग-2
और श्याम सुन्दर की बंशी बाजे राधे जू के संग
मैं कैसे होरी खेलूँगी...

घर-घर से बृज बन्टा आई लिए किशोरी संग
लाला लिए किशोरी संग
चन्द्रसखी हँसयो उठ बोली लग श्याम के अंग
मैं कैसे होरी खेलूँगी...

## हे मतवाला मेरा रखवाला

लाल लंगोटे वाला हो बाबा मेरा ये सालासर वाला
हो बाबा मेरा ये मेंहदीपुर वाला, हे मतवाला...
रोम-रोम में राम बसाए, जपत राम की माला ओ बाबा...
ओ बाबा...
राम काज करने अवतारे राम प्रभु के काम सँवारे
अंजनी पुत्र राम के प्यारे सीताराम हृदय में ध्यारे
वीर है बंका तोड़ि गड़ लंका
लंका जला जर डाला ओ बाबा मेरा
ओ बाबा मेरा ये मेंहदीपुर वाला
बाण लगा जब लक्ष्मण जी को पर्वत ढोला लाये उठाके
राम प्रभु को धीर बंधाए लक्ष्मण जी के प्राण बचाए
पवन वेग से उड़ने वाला अद्भुत रूप निराला
ओ बाबा मेरा ये सालासर वाला
ओ बाबा मेरा ये मेंहदीपुर वाला
भक्त पुकारे जब कोई सच्चा महाबली जी करते रक्षा
भूत पिशाच निकट नहीं आवे महावीर जब नाम सुनावे
प्रगट कृपाला दीन दयाला जग में करे उजाला
ओ बाबा मेरा ये सालासर वाला
ओ बाबा मेरा ये मेंहदीपुर वाला
रोम-रोम राम बसाए, जपत राम की माला



## शंकर तेरी जटाओं से बहती गंग धारा

है जोगी अगम अपारा-2
शंकर भोले शंकर तेरी जटाओं से बहती गंग धारा
है तन में भस्म रमाए मस्तक पे चन्द्र सुहाय-2
उठ ध्वनि शब्द ओंकारा है जोगी अगम अपारा-2
शंकर तेरी जटाओं से बहती गंग धारा-2
तुम नीलकंठ कहलाए तेरे अंग भुजंग सुहाए-2
करने त्रिशूल उजियारा है जोगी अगम अपारा
शंकर तेरी जटाओं से बहती गंग धारा
बाघम्बर आसन पाए गौरी वामांग सुहाए
डमरू ध्वनि होत अपारा है जोगी अगम अपारा
शंकर तेरी जटाओं से...
सुर महिसासुर नर-मुनि राई सब तेरे ध्यान लगाई-2
विशम्भर अगम अपारा है जोगी अगम अपारा
शंकर तेरी जटाओं से बहती गंग धारा
है जोगी अगम अपारा-2
शंकर भोले शंकर तेरी जटाओं से बहती निर्मल धारा
ओम नमः शिवाय-2-2

## छीन लिया मेरा भोला सा मन

छीन लिया मेरा भोला सा मन राधा रमन प्यारो राधा रमन-2
गोकुल का ग्वाला ब्रज का कन्हैया सखियों का मोहन
माँ का कन्हैया भक्तों का जीवन निर्धन का धन

राधा रमन प्यारो राधा रमन-2
यमुना के जल में वही श्याम खेले
लहरों में उछले और मारे...
बिछुड़न तभी हो मोहन मिलन
राधा रमन प्यारो राधा रमन...
छीन लिया मेरा भोला सा मन राधा रमन...
जाकर के देखा मन्दिर के अन्दर
बैठा वही बाबा वो श्याम सुन्दर
कुण्डल झलन और तिरछी चलन
राधा रमन प्यारो राधा रमन-2

## बिहारी सब रंग बोर दई

बिहारी सब रंग बोर दई-3, सोई सीरारी कामल अंगिया
अब ही मोल लई, बिहारी मोहे सब रंग बोर दई
देखेगी मेरी साँस नन्दिया होरी खेलत नहीं-2
बिहारी सब रंग बोर दई-2
चले जाओ पिया कुंज बिहारी
जो कछु भई सो भई, बिहारी सब रंग बोर दई
कन्हैया मोहे सब रंग बोर दई-2

## जय माधव मदन मुरारी

जय माधव मदन मुरारी राधे श्यामा श्यामा-2
जय केशव कलि बलिहारी राधे श्याम श्यामा श्यामा



सुन्दर कुण्डल मधुर विशाला गले सोहे वैजयन्ती माला
या छवि निर्मल बलिहारी राधे श्याम श्यामा-2
जय माधव मदन मुरारी राधे श्याम श्यामा-2
कबहु लूट-लूट दधि खायो, कबहु मधुवन रास रचायो
विधिपति विपिन बिहारी राधे श्याम श्यामा श्याम
जय माधव मदन मुरारी राधे श्याम श्यामा श्याम
ग्वाल बाल संग धेनु चराई वन-वन
काधे कांमर कारि राधे श्याम श्यामा श्याम
जय माधव मदन मुरारी...
चुरा-चुरा नवनीत जो, माखन चोर मुरारी राधे श्याम श्यामा...
जय माधव मदन मुरारी राधे श्याम...
इक दिन मान इन्द्र को मारो नखु पर गोवरधन धारो-2
नाम पड़ो गिरधारी राधे श्याम श्यामा श्याम
जय माधव मदन मुरारी राधे श्याम...

## खुल गए ताले

कभी नरसिंह बनकर पेट हिरणाकुश का वो फाड़े
कभी अवतार लेकर राम का रावण को संहारे
कभी श्री श्याम बन करके पटककर कंस को मारे
दसों गुरुओं का ले अवतार वही हर रूप से धारे
धर्म का लोप होकर जब पापमय ये संसार होता
दुःखी और दीन निर्बल का जब हा-हाकार होता है
प्रभु के भक्तों पर जब घोर अत्याचार होता है

तभी संसार में भगवान का अवतार होता है
खुल गए सारे ताले वाह क्या बात हो गई
जन्मे-जन्मे कन्हैया करामात हो गई
था घनघोर अंधेरा कैसी रात हो गई
जन्मे-जन्मे कन्हैया करामात हो गई, खुल गए''
था बंदीखाना जन्म लिए कान्हा वो द्वापर का पुराना जमाना
ताले लगाना वो पहरे बिठाना वो कंस का जुल्म ढाना
उस रात का दृश्य भयंकर था उस कंस को मरने का डर था
बादल छाए मंडराए बरसात हो गई
जब से जन्मे-जन्मे कन्हैया करामात हो गई-2
खुल गए ताले सोए थे रखवाले
हाथों में थे बरछी-भाले, खुल गए''
वो दिल के काले बड़े थे काले
वो काल के हवाले होने वाले
वासुदेव ने श्याम को उठाया था
टोकरी में उसे लिटाया था
गोकुल धाए हर्षाए क्या बात हो गई
जब से जन्मे कन्हैया करामात हो गई
टोकरे में मोहन मुरारी साथ में मोहन मुरारी
यमुना करे रखवाली यमुना ने ये बात विचारी
श्याम आए हैं भक्तों के हितकारी
इसके जन्म पे जाऊँ मैं बलिहारी
जाऊँ वारी हमारी मुलाकात हो गई, जब से जन्मे''



छवि नटवर परमेश्वर की, वो ईश्वर ऋषि अम्बर की
क्या बात फिक्र की, जब जमुना है तर की
देख ले झाँकी गिरधर की
वासुदेव ने देख ली धर-धर की
जब से जन्मे''

श्याम झूले राधा झूले, पपीहा बोले शीतल पड़े फुहार
घटा छबीली रंग रंगीली हिल रही केसर क्यार
ब्रह्मा विष्णु शंकर आए और बजरंगी बलवान
राधा झूला झूलन आई, और आए मदन मुरार
श्याम झूले हनुमत झूले, झूले शंकर त्रिपुरारी
राधा रानी झूला झूले, ओढ़ चुनर तारारी
कैलाश [illegible] आए हैं, बजरंगी वीर पधारे हैं
जो राम के सेवक सारे हैं, सब भक्तों के रखवाले हैं
सखियाँ आई बरसाने से, मोहन की प्यारी
राधा रानी चुनर ओढ़ तारारी, सुन मोहन की मुरली
बजरंग हुए मतवाले हैं, बजरंग हुए मतवाले हैं
सुध भूले डमरू वाले हैं, जो माँगों देने वाले हैं
राधे श्याम का दर्शन करने, देखो आए त्रिपुरारी
राधा रानी झूला झूले, ओढ़े चुनर तारारी
हनुमत झूले झूले त्रिपुरारी, झूले कृष्ण मुरारी है
जिनके संग राधा प्यारी है, ब्रज की सखियाँ सारी हैं
राधे श्याम की जोड़ी सबको लगती है प्यारी
राधा'', चुनर''

सावन की तीजों को झूला सबके मन को भाया है
भक्तों ने खूब सजाया है, शर्मा दर्शन को आया है
लक्खा भी झाँकी पर इनकी जाए बलिहारी
राधा..., चुनर..., श्याम...
श्री बाके बिहारी लाल
श्री बाके बिहारी लाल गोपाल मने रखियो अपने चरणन में
मन रखियो अपने चरण में, तन रखियो श्री वृन्दावन में
श्री बांके बिहारी लाल...





# श्री कृष्ण लीला भजन संग्रह

## सुन बरसाने वाली...

सुन बरसाने वाली गुलाम तेरी बनवारी-2
तेरी पायलियाँ पे बाजे मुरलियाँ-2
छम-छम नाचे गिरधारी
गुलाम तेरो बनवारी...
चन्द्र की आनन पे बड़ी बड़ी अखियाँ-2
लट लटके घुँघराली-2
गुलाम तेरो बनवारी...
बड़ी-बड़ी अखियन में झीनो-झीनो कजरा-2
घायल कुंज बिहारी-2
गुलाम तेरो बनवारी...
वृंदावन के राजा होकर छाछ पे नाचे मुरा -2
गुलाम ते. बनवारी...
वृंदावन की कुंज गलिन [illegible]-2
रास रचो गिरधारी-2
गुलाम तेरो बनवारी...
कदम की डार में झूलो पड़ो है, झोटा देवे बिहारी
गुलाम तेरो बनवारी...

卐 卐

# अहिल्या की कथा

मुनि गौतम ऋषि की नारी इन्दर ने कुदृष्टि डारी।
पति की सेवा करे रात दिन छल छिद्दर कछू-जानेइना॥
राम ही राम रटै रसना ते और इष्ट कू मानेइना।
पतिनी पतिव्रता है धरम की भोरी बहुत विचारी॥ इन्दर'''
नाम अहिल्या रूप दिवानी विधना ने पैदा कीनी।
श्री शुकदेव कहें राजा ते गौतम ऋषि कूं दै दीनी॥
वांचे वेद पुरान बड़े ध्यान जाते पिया की प्यारी॥ इन्दर'''
इन्दर दुष्ट करौ मन सौआ गौतम के द्वारे आया है।
आधी रात बन्यो मुर्गा कुर्कुट-कुर्कुट चिल्लाया है॥
मुनि की नित्य नैम गंगा कौ करी न्हान की त्यारी॥ इन्दर'''
कर आचम शरल सिर धोयौ शब्द भयो गंगा में ते।
तेरे घर अन्याव है रह्यो जल्दी जइयो तू यहां ते॥
कछु न्हाये कछु न्हान पाये कौने तकी पिछारी॥ इन्दर'''
पोरी के मध्य मिले चन्दरमा देखत खैम रिसाये हैं।
मुनि को बोल सुनत भई बोतो भोग करन ते धाये हैं॥
बोली नार पकरियो बलमा करगयौ मेरी खुआरी॥ इन्दर'''
इन्दर दुष्ट बिगर-जाय काया पतिनी कौ धरम विगार गयौ।
भग हजार है जायें वदन में भोग करन घर आयगयौ॥
मुनि कौ श्राप लगत भई बोतो भई पत्थर की नारी॥ इन्दर'''

卐 卐



# हरि बिन कौन'''

हरि बिन कौन दरिद्र हरै

कहत सुदामा सुन सुन्दरि जिय मिलन न हरि बिसरै।
और मिलै ऐसे समया में कत पहिचान करे॥
विपति करे कुशलात न पूछे वात नहीं उचरै।
उठके मिले तन्दुल हम दीनी मोहन वचन फुरै॥
सूरदास स्वामी की लीला टारे विधि न टरै।
हरि बिन कौन दरिद्र हरे॥

卐 卐

# अंखियां हरि दर्शन'''

अंखियां हरि दर्शन की प्यासी

देखो चाहत कमल नयन को, निस दिन रहत उदासी।
अंखियां'''
आये ऊंधौ फिर गये आंगन, डार गये गर फांसी।
अंखियां'''
केशर तिलक मौतिन की माला, वृन्दावन कौ वासी।
अंखियां'''
काहू के मन की कोउ न जानत, लोगन के मन हांसी।
अंखियां'''
सूरदास अब तुम्हारे दरशर बिन, लैहौं करवट काशी।
अंखियां'''

卐 卐

## एक दिन ऐसौ…

एक दिन ऐसौ आवै दौलत में हाथ रहे।
एक दिन ऐसा पास तावें का ना पैसा है।
एक दिन एसौ आवै गालिव और गलीचा बिछें।
एक दिन ऐसौ पास टूटासा न मांचा है।
एक दिन ऐसौ आवै भोजन अनेक मिलें।
एक दिन ऐसा प्यारे कहाँ साग कैसा है।
कहै घासीराम सब भजौ राधेश्याम।
आज दिन ऐसा जाने काल दिन कैसा है।

卐 卐

## नटवर नागर नन्दा…

नटवर नागर नन्दा भजो रे मन गोविन्दा।
श्यामरी सूरत मुख चन्दा भजो रे मन गोविन्दा।
तू ही नटवर तू ही नागर तू ही बालमुकन्दा। भजो रे…
सब देवन में कृष्ण बड़े हैं जौं तारेन में चन्दा। भजो रे…
सब सखियन में राधा बड़ी है जौं नदियन में गंगा। भजो रे…
ध्रुव तारे प्रह्लाद उबारे खम्भ फार नरसिंहा। भजो रे…
चन्द्रसखी भज बाल कृष्ण छवि कटे जनम के फंदा। भजो रे…

卐 卐

## अंगूठी सांच बतायदे…

अंगूठी सांच बतायदे, कहां छोड़े लछमन राम। अंगूठी…



सुनेरी मैंने अवधपुरी दरम्यान,
मार दिये कैकई ने सब मान।
प्रजा के पालन हारे, वही छोड़े लछमन राम। अंगूठी…
सुनेरी मैंने जनकपुरी दरम्यान,
मार दिये सब भूपन के मान।
धनुष के तोरन हारे, वही छोड़े लछमन राम। अंगूठी…
सुनेरी मैंने पंचवटी दरम्यान,
काट दिये सूफनखां के कान।
मिरग के मारन हारे, वही छोड़े लछमन राम। अंगूठी…
सुनेरी मैंने चित्रकूट दरम्यान मार,
दिये खर दूसन के मान।
करी संतन की सेवा, वही छोड़े लछमन राम। अंगूठी…

卐 卐

## श्री कृष्ण का गोकुल से मथुरा जाना

मत जाओ श्याम तुम मथुरा कूं,
ये गोकुल सूनौ है जायगौ।
या नन्द बाबा और जसुदा कूं,
दुःख ऊनौ दूनौ है जायगौ। मत…
ये गोपी दर्शन कू तरसे,
गमगीत श्री राधा रानी है।
त्रिभुवन के स्वामी आप भये,

तेरी लीला किसने जानी है।
तुम चले गए तो हे माधव,
ये जीवन सूनौ है जायगौ। मत˙˙˙
अब माखन चोरी कौन करै,
और कौन पूतनाय मारेगौ।
इन्दर ने ब्रज पे कोप कियो,
गोवर्धन कौन उठावेगौ।
वंशीवट पै वंशी न बजी,
को गाय चरैया रह जायेगौ। मत˙˙˙
बरसानो राधा रानी को,
और नन्दगांव मेरे बाबा कौ।
वृन्दावन तेरौ घर घर है,
जो तेरे है तू है वाकौ।
गोविन्द शरण ले लेओ हम को,
उद्धार सबन कौ है जायेगौ। मत˙˙˙

卐 卐

## कैसे आऊं मैं˙˙˙

कैसे आऊं मैं श्याम तेरी ब्रज नगरी। कैसे आऊं रे˙˙˙
इत मथुरा इत गोकुल नगरी,
बीच वहै जमना गहरी। कैसे आऊं रे˙˙˙
पांव धरूं तो पायल भीगै रामा,



कूद परूं वह जाऊं सवरी। कैसे आऊं रे˙˙˙
बरजो जसोदा अपने लाल को,
छीन लई याने नथ दुलरी। कैसे आऊं रे˙˙˙

卐 卐

## कान्हा बरसाने में˙˙˙

कान्हा बरसाने में आ जइयो, बुलाय गई राधा प्यारी।
जो कान्हा मेरौ गांव न जाने, भानौखर पै आय जइयौ।
बुलाय गई˙˙˙
जो कान्हा मेरौ घर नाय जाने, सिंह पौर पै आय जइयौ।
बुलाय गई˙˙˙
जो कान्हा तोय भूख लगेगी, माखन मिश्री खाय जइयौ।
बुलाय गई˙˙˙
जो कान्हा सावन में आवै, झूला तनक झुलाय जइयौ।
बुलाय गई˙˙˙
जो कान्हा फागुन में आवै, होली नैक खिलाय जइयौ।
बुलाय गई˙˙˙

卐 卐

## श्री राधा वल्लभ˙˙˙

श्री राधा वल्लभ लाल,
ओ लाल मेरौ ध्यान राखियो चरनन में।
मेरौ चित्त रहे तेरे चरणन में,

और ध्यान रहे वृन्दावन में।
तेरी महिमा बड़ी विशाल,
मेरौ ध्यान राखियो'''
मैं नित प्रति जमना न्हाऊं,
संतन कूं शीश झुकाऊं।
तू भक्तन भयौ दयाल,
मेरौ ध्यान राखियो'''
तेरे सिर पर मुकुट लगे बढ़िया,
जामें हीरा-पन्ना है जड़िया।
तेरे नैना बने विशाल ओ विशाल,
मेरौ ध्यान राखियौ चरणन में।

卐 卐

## नीकौ लगे वृन्दावन...

नीकौ लगे वृन्दावन हमें तो बड़ौ नीकौ लगै।
घर घर तुलसी ठाकुर सेवा,
दर्शन श्याम सखी कौ। हमें तो'''
निर्मल नीर बहत जमना कौ,
भोजन दूध दही कौ। हमें तो'''
रतन सिंहासन आप विराजै,
मुकट धरयौ तुलसी कौ। हमें तो'''
कुंजन कुंजन फिरत राधिका,



शबद सुनत मुरली कौ। हमें तो'''
अष्ट प्रहर धुन नाम कीरतन,
राधा राधा ही कौ। हमें तो'''
मीरा के प्रभु गिरधर नागर,
भजन बिना नर फीकौ। हमें तो'''
नीकौ लगे वृन्दावन हमें तो बड़ौ नीकौ लगे।

卐 卐

## मनुआ मन की...

मनुआ मन की खोल किवार, तेरे मन में बसे मुरारी।
तेरे मन'''
अरे राम रमै घट तेरे, तू विरथा इत-उत फेरे॥
लग रही माया की दीवार। तेरे मन'''
हनुमत ने हिय में पाये, सबरी ने कुटिया बुलवाये।
झूठे बेरन कौ सब सार। तेरे मन'''
ध्रुव ने सहे कष्ट करारे, प्रभु खुद ही आय पधारे।
प्रह्लाद को खम्भ दियो फार। तेरे मन'''
अनुसुय्या ने पति सवारे, शिव, ब्रह्मा, विष्णु निहारे।
पायौ बाल रूप कौ प्यार, तेरे मन में बसे मुरारी। मनुआ'''

卐 卐

## अरे मन चल...

अरे मन चल वृन्दावन धाम रटिंगे राधे-राधे।

तू डगर-डगर क्यों भटके और लोभ मोह में अटके।
कर लै राधा चरन विश्राम। रटिंगे राधे-राधे'''
तू विपतन में क्यों डोलै और पाप पुन्य कूं तोलै।
सबते पावन राधा नाम। रटिंगे राधे-राधे'''
आशा के फूल खिलेंगे श्री श्यामा-श्याम मिलेंगे।
तू जप लै सुबह और शाम। रटिंगे राधे-राधे'''
जहां बैठी कीर्ति कुमारी, संग में है रसिक बिहारी।
यहाँ बांके बिहारी श्याम। रटिंगे राधे-राधे'''

卐 卐

## वृन्दावन धाम अपार'''

वृन्दावन धाम अपार भजे जा राधे राधे।
तू वृन्दावन में आयो तेने राधा नाम न गायो।
तेरौ जीवन है धिक्कार। भजे जा राधे'''
ये वृन्दावन की लीला मत समझो गुर को चीला
यामें ऋषि मुनि गये हार। भजे जा राधे'''
जो राधा नाम न हो तो, तो रसिक बिहारी रौतो।
ना हो तो कृष्ण अवतार। भजे जा राधे'''
वृन्दावन रास रचायौ शिव गोपी बन के आयो।
राधे सब वेदन को सार। भजे जा राधे'''
ये ब्रज भी अटक कहानी नाय जाने ज्ञानी ध्यानी
याये जाने ब्रज की नार। भजे जा राधे'''

卐 卐



## सुदामा जी की कथा

सुदामा कर रह्यौ मन में सोच महल यहां कहांते आयो रे। कहांते
कहु मारग गयो भूल पलट फिर द्वारिका आयो रे। सुदामा'''
गांव छोड़ क्यों द्वारका आयौ मैं बावन कहु धोके में आयो।
कोरी खातिर करी कृष्ण ने फिर लोटायौ रे। सुदामा'''
इते रही मेरी टूटी झुपड़िया याई में मेरी टाट गुदड़िया।
उलट पलट के काउ नृप ने यहां महल बनायो रे। सुदामा'''
मेरी बामनी भोरी भारी जाने कित गई विपता मारी।
अतो पतो मोय कोई बतावे मैं दुखियारौ रे। सुदामा'''
देख ब्रावनी दौड़ी आई पति कूं सबरी कथा सुनाई।
श्री गिरधर ने कृपा करके दर्द मिटायौ रे। सुदामा'''
सुदामा कर रहो मन में सोच महल यहां कहां ते आयो रे। कहु'''

卐 卐

## होरी के बन'''

होरी के बन के खिलाड़ आज श्याम घर आ गये।
संग में ले ग्वारिया गवार आज श्याम घर आ गये। होरी'''
होरी होरी है हल्ला मचाते ढोल ढप और मृदंग बजाते।
लइयें पिचकारी हाथन संभार
आज श्याम घर'''
सुनके सखियां भी आई सिहाती, नाचती-कूदती और गाती।
कर करके सोलह श्रृंगार

आज श्याम घर''

गोपी डट-डट के डण्डा चलावे ग्वाल हस हस गुलालें लगावे।
सबकी हुलिया दई है विगार।

आज श्याम घर''

सखी रिस खाय मिलकर के धाई कर पकड़ श्याम को घर में लाई।
खूब दीनी है गुलचों की मार।

आज श्याम घर''

श्याम छोराते छोरी बनाये जोरा जोरी करी और नचाये।
देव-सुर लोक से छवि निहार।

आज श्याम घर''

होरी ऐसी मची बरसाने कवि नारायण कहां तक बखाने।
भर भर के फगुओं के थार घर घर में बटवा गये।
होरी के बनके खिलाड़ आज श्याम घर आ गये। संग''

卐 卐

## फाग खेलन बरसाने...

फाग खेलन बरसाने में आये हैं नटवर नन्द किशोर।
घेर लई सब गली रंगीली, छाय रही जहां छटा छबीली।
तब रंग अबीर उड़ाये हैं मारत भर-भर झोर।

फाग खेलन''

जुर मिलकर सब सखियां आई उमड़ घटा अम्मर में छाई।
ढप, ढोल, मृदंग बजाये हैं वंशी की घनघोर।



फाग खेलन''

लै रहे चोट ग्वाल ढालन पे केशर कीच मले गालन पे।
तब हिरयल बांस मगाये हैं चलन लगे चहुं ओर।

फाग खेलन''

भई है अबीर की घोर अधियारी
दीखतनाय कोई नर और नारी।
तब राधे ने सैन चलाये हैं पकड़े माखन चोर।

फाग खेलन''

जो लाला तुम घर कूं जाओ तो होरी कौ फगुआ लाओ।
तब श्याम ने सखा बुलाये हैं बांटत भर-भर झोर।

फाग खेलन''

सखियन ने पकड़े गिरधारी नर ते श्याम बनाय दिये नारी।
कट लहंगा पहनाये हैं दै काजर की कोर।

फाग खेलन''

राधे जू के हा-हा खाओ, फगुआ सब सखियन भिजवाओ।
घासीराम यश गाये हैं भयौ कविता को छोर।

फाग खेलन''

卐 卐

## मत मारे द्रगन...

मत मारे द्रगन की कोर रसिया होरी में मेरे लग जाएगी।

मत मार''

अबकी चोट बचाय गई लाला कर घूंघट की ओट।
बलारे लाला...
मैं तो लाज भई चरणन की तैने मारी अबीर को घोट।
बलारे लाला...
नारायण तुम वहीं जाय खेलौ जहां मिलै तुम्हारी जोट।
बलारे लाल...

卐 卐

## होरी खेलन आयो...

होरी खेलन आयो श्याम आज याये रंग में बोरौरी।
कोरे कोरे कलश मगाय यामें केशर घोरौरी।
मोय गोरी की बात मान कारे पै डारौरी॥ होरी...
हरे बांस की बांसुरिया याये तौर मरोरौरी।
हा हा खाय करे जब विनती जब याये छोडौरी॥ होरी...
लोक लाज सब त्याग आज फागुन में तोरौरी।
चन्द्रसखी यो कहे आज कैसो बैठो भोरौरी॥ होरी...

卐 卐

## लक्ष्मण शक्ति

लक्ष्मण कें लाग्यो बान, हनुमान सजीवन ले आये।
तुम दोना गिरी पै जइयो, और लौट शाम को अइयो॥
उदय होन न पावै भान। हनुमान...
हम अवधपुरी ना जावें, मुख काहू ना दिखलावैं।



मन में ये ठानी ठान। हनुमान...
हनुमान न देर लगाई है, चल दिये सुमिर रघुराई है।
दौना गिरि पहुंचे जाय। हनुमान...
जब बूटी ढूंढ़ न पाई है, तब पर्वत लियो उठाई है।
रामा दल पहुंचे जाय। हनुमान...
लछमन कूं जियत निहारे, सैना भई जै जै कारे।
जै राम लखन हनुमान। हनुमान...

卐 卐

## लाला की सगाई

फिर जात सगाई ओ लाला तेरी फिर फिर जात सगाई।
बरसाने की वृषभान नन्दनी मैया ने वात चलाई।
ओ लाला...
देख देख तेरी कुल की रीतें फिर गाये बामन नाई।
ओ लाला...
दूध दही घर ही बहुतेरौ मुकती होत मलाई।
ओ लाला...
खाय लै पी लै और लुटाय लै पर चोरी छोड़ कन्हाई॥
ओ लाला...

卐 卐

## रसिया

तू दध कौ दैजा दान, सुन गूजर बरसाने वारी।

हम नन्दगांव के ग्वाल हैं इन गायन के प्रतपाला हैं।
दै जा गोरस को दान। सुन गूजर...
मिल ग्वाल करें झटका-पटकी, दें जा फोर तेरी मटकी।
तू क्यों रही झगड़ो तान। सुन गूजर...
मोहन के तनक इशारे में दध लूटौ बीच गिरारे में।
सब ग्वाला दे रहे तान। सुन गूजर...
सब मटकी कर दीनी खाली हस रहे ग्वाल दे दे तारी।
नन्दलाल लग्यो मुस्कान। सुन गूजर...

卐 卐

## ऐसी कृपा करौ...

ऐसी कृपा करौ महारानी, सदा हम ब्रज में करें निवास। ब्रज...
प्रेम सरोवर नित प्रति न्हाऊं, बैठ लतान में हर गुन गाऊं।
गहवर वन संतन मन भायो हरि कौ यहीं निवास। ऐसी...
भूख लगे भिक्षा कर लाऊं, ब्रजवासिन के टुकड़ा खाऊं।
स्वर्गलोक वैकुण्ठ न जाऊं, यहीं पै करूं निवास। ऐसी...
ब्रज मंडल बोलै मृदु वानी, यहां आवै सब गोप कुमारी।
बैठ कदम पै वंशी बजावे, कृष्ण हमारे संग। ऐसी...
रजपट के शृंगार बनाऊं, तुलसी माला खौर लगाऊं।
बंशी-ढोलक रोज बजावै कान्हा सबके संह। ऐसी...

卐 卐



## रसिया

खातिर कर ले नई गुजरिया, रसिया आयौ तेरे द्वार।
आयो...

ये रसिया तेरे रोज न आवै,
प्रेम होय तो दर्शन पावै,
अधरामृत कौ भोग लगावै।
कर महमानी लै चल भीतर समय न वारम्वार।
खातिर...

हृदय की चौकी वन हेली,
नेह कौ चन्दन चरच नवेली,
दीक्षा लै वन जइयौ चेली।
पुतरिन पलंग बिछाय पलक के कर ले वन्द किवार।
खातिर...

जो कुछ रसिया कहे सो करियौ,
सास ननद कौ डर मत करियौ,
सोलह कर बत्तीस पहरियौ।
दै दै दान सूम की सम्पति जीवन है दिन चार।
खातिर...

सवते तोर नेह की डोरी,
जमनापार उतरचल गोरी,
निधरक खेलौ करियो होरी।

श्याम रंग चढ़ जायेगौ वा दिन है जाय बेढ़ा पार। खातिर''

卐 卐

## लिलहारी लीला

दोहा

श्री राधे जी से मिलन को कीयो कृष्णा विचार।
बंशी मुकट छिपाय के धरयौ रूप लिलहार॥
बन गये नन्द लाल लिलहार कि लीली गुदवाय लेऔ प्यारी।
लहंगा पहर ओढ़ सिर साड़ी अंगिया पक्की जड़ी किनारी।
शीश पै शीश फूल वैना लगाय लियो काजर दोऊ नैना।
पहन कर नख सिख सों गहना।

दोहा

नखसिख गहनों पहर के कर सोलह शृंगार।
बलहारी नद नन्द की बन गये नर से नार॥
बन गये नर से नार कि झोली कन्धा पैर डारी।
बन गये''
डार झोली को कृष्ण मुरार गुदाय लेओ लीला कहें पुकार।

दोहा

श्री राधे जी ने सखी भेजकर बोल लई लिलहार।
कहन लगी लिलहार सों लिखियो खूब संभार॥
लिखियो खूब संभार कसर कछू रह नजाय प्यारी।
बन गये''
शीश पै लिख दे भैना श्री गिरधारी रे,


माथे पै लिख दे मेरे मदन मुरारी दे।
दगन पै लिख दे दीन दयाल नासिका पै लिख दे नन्द लाल।

दोहा

श्रवनन में लिख सावरौ अधरन आनद कन्द।
ठोडी पै ठाकुर लिखौ गल में गोकुल चन्द॥
छाती पे लिख छैल दोऊ बाहन पै बनवारी। बन गये''
हाथन पै लिख दै हलधर जू को भैया रे।
उंगरिन पै लिख दे आनन्द करैया रे।
पेट पै लिख देओ परमानन्द,
नाभि पै लिख देओ तुम नद नन्द।
जांघ पै लिख देओ जै गोविन्द।

दोहा

घोटुन पै घनश्याम लिख पिडरिन में प्रतिपाल।
चरनन में चित चोर लिख नख में नंद को लाल॥
रोम रोम में लिखो रमा पति राधा बनवारी। बन गये''
लीला गोद प्रेम रस छायो रे तन-मन को सब होश गवायोरे।
खबर झोली झंडा की नाय धरन पर पांव नहीं ठहराय।
सखी सब देखत ही रह जाय।

छन्द

देखत सखी सब रह गई झगड़ा निरख कर फन्द का।
बीसों विसे दीखे सखी छलिया है बेटा नन्द का।
अंगिया में वंशी छिप रही राधे ने लइये निहार के।

प्यारे से प्यारी जब मिले दोनों भुजा पसार के॥
घासीराम जुगल जोड़ी पै जाऊं बलिहारी। बन गये"

卐 卐

## रसिया

ग्वालिन कर दै मोल दही कौ मोकू माखन तनक चखाय।
ग्वालिन"
सुन गोरी बरसाने बारी नेक चखाय दे माखन प्यारी
आज मान लै बात हमारी
मटकी के दर्शन करवाय दै क्यों राखी दुवकाय।
ग्वालिन"
नाय दे आज समझ लै मन में काऊ दिन हाथ परेगी वन में
सबरी कसर निकारूं छिन में
बंशी मार फोर दऊ मटकी लऊगो दान चुकाय। ग्वालिन
श्याम समझ लेना है धोको जा दिन मेरी लगजाय मौको
दही तेरो बिकवाय दउ चोखौ
चोरी करें आज तेरे घर में पहले दऊं बताय। ग्वालिन"
पनघट पै भरवै जाय पानी मोय तेरी गागर लुढ़कानी
यही हमारी रीत पुरानी
अबहू समझ श्याम समझावै फिर पीछे पछताय।
ग्वालिन"

卐 卐



## रसिया

ग्वालिन मत पकरै मेरी वहियां, मेरी दूखे नरम कलइया।
मैं तेरौ माखन नाय खायौ, नाय मटकी ते हाथ लगायौ।
अपने घर के धोके में आयौ।
आज छोड़ दै सौगन्ध खाऊ, तेरी लऊ बलइयां। ग्वालिन"
खोल किवरिया तू गई पानी, भूल गई फिर क्यों पछतानी।
मोते कर रही ऐचा तानी।
झूठौ नाम लगावै मेरौ, तेरे घर में घुसी बिलैया। ग्वालिन"
आज छोड़ दे सौगन्ध खाऊं, फेर न तेरे घर में आऊं।
रोज तेरी गागर उचवाऊं।
बेग छोड़ दे देर है रही, बोल रहयौ बल भैया। ग्वालिन"
घर बुलायके चोर बनावै, मो सूधे कूं दोष लगावै।
तोकूं नैक दया नाय आवै।
बाट देखत होय सखा सब दूर निकर गई गैया। ग्वालिन"

卐 卐

## रसिया

मैया जब मैं घरते चलूं बुलावें, ग्वालिन घर में मोय। मैया
अचक हाथ कौ झालौं दैकें, मीठी बोलें देवर कह कैं।
निधरक है जाय साकर देकें।

### दोहा

झपट उतारें काछनीं, मुरली लेत छिनाय।

मैं बालक ये धीगरी, मेरौ वस न चलाय॥
आपहु नाचे मोय नचावें कहा बताऊं तोय। मैया"
मैं बालक ये चतुर गुजरिया,
छोटी सी याकी राम कुठरिया।
एक दिन लै गई पकर उंगरिया।

दोहा

गोरस की मटकी धरी, मो आगे तत्काल।
माखन दूंगी घनौ सो, चीटी वीनों लाल॥
मैंने याकी चींटी बीनी ये निधरक गई सोय। मैया"
एक दिना पनघट पै मैया, मैं बैठो एक कदम की छैया।
ढिग बैठो बलदाऊ भैया।

दोहा

लै पहुंची ये गागरी रिपटौ याकौ पाव।
मेरे गोहन पर गई, धक्का दीनो श्याम॥
दै दै गुलचा गाल लाल किये मैं ठोड़ौ रह्यो रोय। मैया"
ऐसी ब्रज की ढीट लुगाई, पानी में दे आग लगाई।
तेरे मुंह पै करें बड़ाई, बाहर निकसत करे बुराई।

दोहा

इनको पतियारो करें, मैं तसकर ये शाह।
चोर नाम मेरौ धरौं, होन न दिंगी ब्याह॥
इनने मो संग ऐसी कान्ही, जैसी करें न कोय। मैया"

卐 卐

## ब्रज रज

तेरे लाला ने ब्रज रज खाई, जसोदा सुन माई। तेरे लाला"
अद्‌भुत खेल सखन संग खेलौ, छोटौ सौ माटी को डेलौ
तुरत श्याम ने मुख में मेलौ
जाने गटक गटक गटकाई, जसोदा सुन माई। तेरे लाला"
माखन कू कबहूं नाय नाटी, क्यों लाला तेने खाई माटी
धमकावै जसुदा लै साटी
जाय नैंक दया नाय आई, जसोदा सुन माई। तेरे लाला"
ऐसौ स्वाद नाय माखन में, नाय मिसरी में वा दाखन में
जो रस ब्रज रज के चाखन में
जाने भक्ति की मुक्ति कराई, जसोदा सुन माई। तेरे लाला"
मुखते माह उगरिया मेली, निकर परी माटी की डेली
भीर भई सखियन की भेली
जाय देखे लोग लुगाई, जसोदा सुन माई। तेरे लाला"
मोहन कौ मोहडो फर बायौ, तीन लोक कौ रूप दिखायौ
जब विश्वास जसोदाय आयौ
ये तो पूरन ब्रह्म कन्हाई
ब्रज रज कू सुर नर मुनि तरसें
धन्य भाग इस ब्रजवासिन के
जिनकी लगन लगी होय हरते
कहे घासीराम सुनाई, जसोदा सुन माई। तेरे लाला"

卐 卐